PERIODIC TEST - I (2020 -21)

GRADE: X **SUBJECT: HINDI** **Date : 9 / 7 / 20**

Time: 1 Hour 35 min **Total Marks : 30**

प्रश्न १. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए | **७**

१. ' आपा खोना ' - मुहावरे का अर्थ चुनिए | **१**

क. अपने को मिटाना
ख. दूरी अधिक होना
ग. अहंकार समाप्त होना
घ. सांसारिक सुखों में लीन होना

२. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य चुनिए | **१**

क. मत मारो मुझे
ख. मुझे मत मारो
ग. मुझे मारो मत
घ. मारो मत मुझे

३. ' सत्याग्रह '- समस्त पद में किस समास का प्रयोग हुआ है? **१**

क. तत्पुरुष समास
ख. कर्मधारय समास
ग. द्वंद्व समास
घ. अव्ययीभाव समास

४. कर्मधारय समास का उदाहरण कौन सा है ? **१**

क. नवरात्रि
ख. नीलकंठ
ग. नवग्रह
घ. उपर्युक्त सभी

५. निम्नलिखित शब्दों में से अविकारी शब्द चुनिए | **१**

क. शायद
ख. मोहन
ग. खेलना
घ. पाँच

६. ‘ गिरह बाँधना ’ - मुहावरे का अर्थ चुनिए । १

क. बहुत ज्ञान होना
ख. अच्छी तरह याद रखना
ग. हमेशा पढ़ते रहना
घ . दूसरों से प्रेम करना

७. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य चुनिए । १

क. यह मेरी पुस्तक तो है
ख. यह मेरी तो पुस्तक है
ग. मेरी पुस्तक है यह तो
घ. यह तो मेरी पुस्तक है

प्रश्न २. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर विकल्प में से सही उत्तर चुनिए। ४

वन प्राकृतिक सुषमा के घर हैं | इन्हीं वनों में अनेक प्राणियों को आश्रय मिलता है | ये वन ही पर्यटन के आकर्षक स्थल हैं | बाघ , सिंह , हाथी ,चीता तथा इसी प्रकार के आकर्षक पशु -पक्षी वनों में ही निवास करते हैं | हमारे देश में तो वृक्षों को पूजने की परंपरा है | हमारी संस्कृति में वृक्षारोपण पुण्य का कार्य माना जाता है तथा किसी फलदार अथवा हरे-भरे वृक्ष को काटना पाप | पुराणों के अनुसार एक वृक्ष लगाने से उतना ही पुण्य मिलता है , जितना दस गुणवान पुत्रों का यश | खेद का विषय है कि आज हम वन संरक्षण के प्रति न केवल उदासीन हो गए हैं वरन उनकी अंधाधुंध कटाई करके स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं | आज नगरीकरण शैतान की आँत की तरह बढ़ता जा रहा है | बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए आवासीय भूमि तथा उद्योग धंधों की बढ़ती आवश्यकता ने हमें वनों की कटाई करने पर विवश कर दिया है | परिणामत: आज हमारे देश में वन - क्षेत्रों का निरंतर अभाव होता जा रहा है |

१. वन से संबंधित लाभ चुनिए। १

क.प्राणियों को आश्रय
ख.बाढ़ में वृद्धि होना
ग. ठंड बढ़ना
घ. चक्रवात आना

२. पुराणों में वृक्ष लगाने के बारे में क्या लिखा गया है ? **१**

क.पाप का कार्य है

ख. अहिंसा मात्र है

ग. पुण्य का कार्य है

घ. इनमें से कोई नहीं

३. हमारी संस्कृति में वृक्षों के विषय में क्या माना गया है ? **१**

क. हरे-भरे वृक्ष को काटना पाप है

ख. वनों की कटाई करनी चाहिए

ग. लक्ष्य प्राप्ति हेतु साधन है

घ. इनमें से कोई नहीं

४. नगरीकरण किस तरह आगे बढ़ता जा रहा है ? **१**

क. भगवान की तरह

ख. तूफान की तरह

ग. सज्जन के सत्कर्मों की तरह

घ. शैतान की आँत की तरह

प्रश्न ३. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर विकल्प में से चुनिए | **४**

परिश्रम उन्नति का द्वार है | मनुष्य परिश्रम के सहारे ही जंगली अवस्था से वर्तमान अवस्था तक पहुंचा है | उसी के सहारे उसने अन्न उपजाया , वस्त्र बनाए ,घर ,मकान ,भवन ,बाँध , पुल , सड़कें बनाई | तकनीक का विकास किया , जिसके सहारे आज यह जगमगाती सभ्यता चल रही है | परिश्रम केवल शरीर की क्रियाओं का ही नाम नहीं है | मन तथा बुद्धि से किया गया परिश्रम भी परिश्रम कहलाता है | हर श्रम में बुद्धि तथा विवेक का पूरा योग रहता है | परिश्रम का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता मिलती है | परिश्रम करने वाला मनुष्य सदा सुखी रहता है | उसे मन - ही - मन प्रसन्नता रहती है कि उसने जो भी भोगा , उसके बदले उसने कुछ कर्म भी किया | परिश्रमी व्यक्ति का जीवन स्वाभिमान से पूर्ण

होता है , वह अपने भाग्य का निर्माता होता है | उसमें आत्मविश्वास होता है | परिश्रमी व्यक्ति किसी भी संकट को बहादुरी से झेलता है तथा उससे संघर्ष करता है | परिश्रम उस कामधेनु के समान है जिससे मनुष्य की सब इच्छाएं पूरी हो सकती हैं | मनुष्य को मरते दम तक परिश्रम करना चाहिए | जो परिश्रम से इंकार करता है , वह जीवन में पिछड़ जाता है |

१. परिश्रम को किसके समान माना गया है ? १

क. कामधेनु के समान

ख. अमृत के समान

ग. विष के समान

घ. उपहार के समान

२. परिश्रमी व्यक्ति कैसा अनुभव करता है ? १

क. उसने जो भी भोगा ,उसके बदले उसने कुछ कर्म भी किया

ख. जीवन में उसे सब कुछ बिना परिश्रम के ही मिल गया

ग . जीवन की सुख सुविधाएं दूसरों की सहायता से प्राप्त हुआ

घ. इनमें से कोई भी

३. परिश्रमी व्यक्ति का जीवन कैसा होता है ? १

क. स्वाभिमान से पूर्ण होता है
ख. सुख से परिपूर्ण होता है
ग. दुखों से घिरा होता है
घ. चिंताओं से घिरा होता है

४. **परिश्रम - शब्द का उचित वर्ण-विच्छेद चुनिए |** **१**

क. प् +अ + र् + इ +श् + र् + अ + म् +अ
ख. प् +अ + श् + र् + अ + र् + इ + म् +अ
ग .प् + श् + र् + अ + र् + इ + म् + अ
घ. प + र् + अ + र् + इ + म् + अ

प्रश्न ४. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए |** **६**

१. बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थी ? २

२. ईश्वर कण - कण में व्याप्त हैं , पर हम उसे क्यों नहीं देख पाते ? २

३. आज जो बात थी वह निराली थी - किस बात से पता चल रहा था कि आज का दिन अपने आप में निराला है ? स्पष्ट कीजिए | २

प्रश्न ५. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50 से 60 शब्दों में लिखिए |** **३**

१. सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी ?

प्रश्न ६. **निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए |** **६**

१. इम्तिहान कर लेना कोई चीज नहीं , असल चीज है बुद्धि का विकास | ३

२. संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दुखी कौन ?यहाँ सोना और जागना किसके प्रतीक हैं ? स्पष्ट कीजिए | ३